P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-5* ISSUE-7* March- 2018
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

सवाई माधोपुर जिले में मानव संसाधन विकास

दीपेन्द्र सिंह मीना
शोधार्थी,
भूगोल विभाग,
राजस्थान विश्वविद्यालय,
जयपुर, राजस्थान

सारांश

मानव संसाधन वह अवधारणा जो जनसंख्या को किसी राज्य की अर्थव्यवस्था पर दायित्व से अधिक परिसम्पत्ति के रूप में देखती है। अतः किसी भी प्रदेश के विकास के लिए मानव संसाधन महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते है। अर्थात किसी भी देश का आर्थिक विकास प्राकृतिक संसाधनों और जनसंख्या के आकार, बनावट और कार्य क्षमता पर निर्भर करता है। मानव संसाधन को संतुष्ट रख कर ही नियोजित लक्ष्यों को प्राप्त करना संभव है। यह अध्ययन जिले की जनांकिकीय संरचना का अनुसंधान व विश्लेषण का एक प्रत्यन है ताकि जिले के मानव संसाधन के विकास को समझा जा सकें।

मुख्य शब्द : मानव संसाधन, जनसंख्या वृद्धि, वितरण, कार्यशील जनसंख्या, साक्षरता।

प्रस्तावना

किसी प्रदेश के आर्थिक – सामाजिक विकास में जनसंख्या अथवा मानव संसाधन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। मानव अपनी शिक्षा, विज्ञान और टैकनोलॉजी का प्रयोग करके प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग से संस्कृति का निर्माण करता है, इसलिए पृथ्वी पर विभिन्न क्षेत्रों में मानव संसाधन की संख्या (जनसंख्या), उसका प्रादेशिक वितरण, जनसंख्या वृद्धि, संरचनात्मक विशेषताओं, क्षमता तथा उसकी समस्याओं का अध्ययन सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। इस प्रकार स्वयं मानवीय शक्ति, बौद्धिक ज्ञान व तकनीकी सबसे अधिक महत्वपूर्ण संसाधन है। मानव संसाधन सजीव साधन है और वातावरण, प्रौद्योगिकी, पूंजी आदि प्राकृतिक व भौतिक संसाधन सजीव साधन के सहयोग के लिए है। यह सुनने में अच्छा लगता है कि भारत जनसंख्या के मामले में दूसरा स्थान रखता है। देश की जनसंख्या या तो उसकी ताकत होती है या बोझ। ऐसे में भारत अपनी जनसंख्या को ताकत बनाने में अग्रसर है। अतः जनसंख्या को मानव संसाधन बनाने से ही राष्ट्र का विकास तेजी से हो सकता है। और भारत विश्व में अग्रणीय हो सकता है।

शोध पत्र का उद्देश्य

जिले के मानव संसाधन की वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर समीक्षा करना।

साहित्यावलोकन

एस.डी मौर्य (2016) ने अपनी पुस्तक ''संसाधन भूगोल'' में ससाधनों के नियोजन एवं प्रबंधन की आवश्यकता को स्पष्ट किया।

अनिता शर्मा (2015) ने अपने शोध ग्रन्थ ''Population and Resources development in Alwar District'' में अलवर जिले की जनसंख्या का पंचायत के स्तर पर घनत्व–वितरण व साक्षरता आदि पहलुओं पर प्रकाश डालने का प्रयास किया है।

बी.सी. मेहता (2006) ने अपने शोध–प्रबंध ''Regional Population Growth : A case Study of Rajasthan'' में राजस्थान की जनसंख्या की आलोचनात्मक विशेषताओं का अध्ययन एवं आर्थिक–सामाजिक विकास के मापदण्ड हेतु लाभदायक नीतियों पर अपना शोध कार्य किया।

अध्ययन क्षेत्र

राजस्थान राज्य के दक्षिण–पूर्वी भाग में स्थित सवाई माधोपुर जिला $25^{0}45'$ से $26^{0}41'$ उत्तरी अक्षांश एवं $75^{0}59'$ से $77^{0}23'$ पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है। जिले की सम्पूर्ण सीमा स्थलीय है जो कि उत्तर में दौसा, उत्तर–पूर्व में करौली, उत्तर–पश्चिम में जयपुर, दक्षिण–पूर्व में कोटा, दक्षिण में बूंदी व पश्चिम में टोंक स्थित है। चम्बल नदी इसकी पूर्वी सीमा बनाती है जो मध्य प्रदेश को राजस्थान राज्य से अलग करती है। जिले का क्षेत्रफल 5042 वर्ग किमी. है जो राजस्थान के कुल क्षेत्रफल के 1.48 प्रतिशत भाग पर फैला है। जिले में 8

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-5* ISSUE-7* March- 2018
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

उपखण्ड, 8 तहसीले व 6 पंचायत समितियाँ है। परन्तु 2011 की जनगणना के समय जिला 7 तहसीलों मे विभक्त था अतः इसी आधार पर अध्ययन प्रस्तुत है।

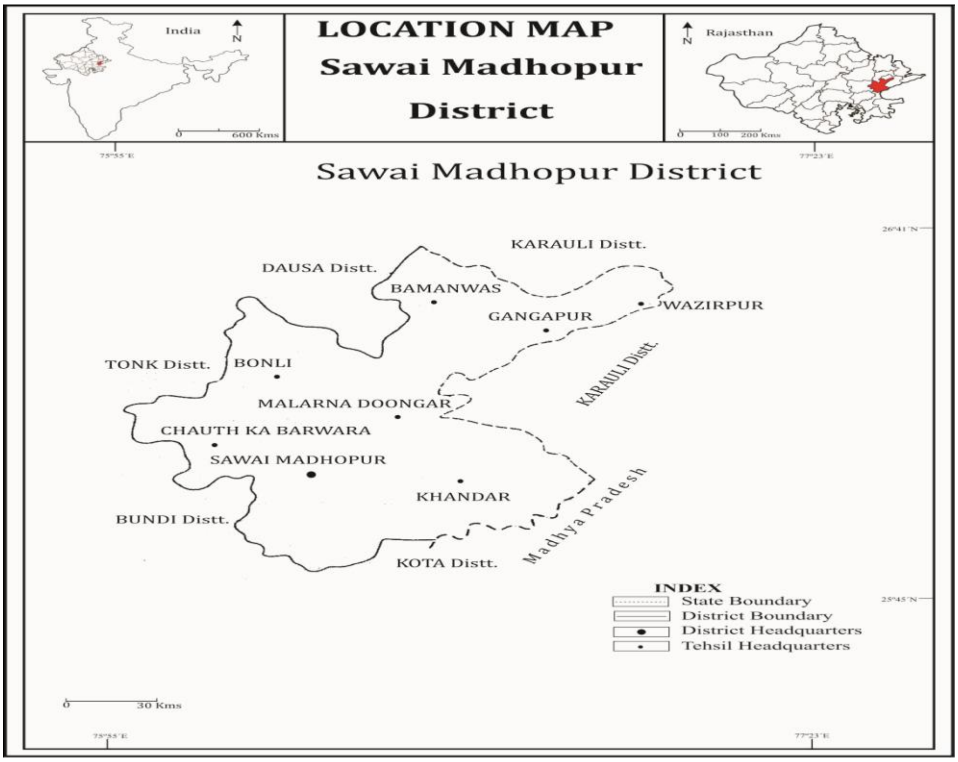

विधि तंत्र

जनसंख्या वृद्धि

जनसंख्या वृद्धि का अर्थ है किसी विशेष समय के लिए देश या राज्य के निवासियों की संख्या में परिवर्तन से है। जनसंख्या की वृद्धि ऐसी सुरक्षा है जो बढ़ते हुए उत्पादन से भी अधिक मूँह–फाड देती है और हाथ–पॉव पीटने पर भी अभाव घटता नहीं बढ जाता है। जिले की दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर सारणी–1 को देखने से प्रतीत होता है कि 1901–21 जनसंख्या वृद्धि दर में कमी हुई इसका कारण महामारी रही है। सन् 1931 के बाद जनसंख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। परन्तु जनसंख्या वृद्धि दर में उतार–चडाव देखने को मिलता है। 1951 में जनसंख्या वृद्धि तो हुई परन्तु 1941 की तुलना में 0.90 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई जिसका कारण भारत का विभाजन था। 1961–81 के दौरान जिले की जनसंख्या वृद्धि दर में लगातार क्रमशः 23.32, 26.49, 28.68 प्रतिशत वृद्धि हुई (सारणी–1)। जिसका मुख्य कारण स्वास्थय सेवाओं में वृद्धि के परिणामस्वरूप मृत्यु दर में कमी का होना रहा है। 1981–2011 के दौरान जिले की जनसंख्या वृद्धि दर में लगातार क्रमशः 27.83, 27.55, 19.56 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। कमी का कारण जनसंख्या में परिवार नियोजन के प्रति बढती जागरूकता है।

सारणी–1 : सवाई माधोपुर जिले में जनसंख्या वृद्धि (1901–2011)

जनगणना वर्ष	पुरूष	स्त्री	कुल जनसंख्या	दशकीय अंतर	दशकीय अन्तर प्रतिशत में	1901से प्रतिशत अंतर
1901	328838	286244	615082	–	–	–
1911	326462	283342	610304	–4778	–0.78	–0.78
1921	295150	253651	548801	–61503	–10.08	–10.78
1931	322386	281587	603973	+55172	+10.05	+11.81
1941	362319	320206	682525	+78552	+13.01	+10.96
1951	407181	357991	765172	+82547	+12.11	+24.40
1961	504531	439043	943574	+178402	+23.32	+53.41
1971	640298	553230	1193528	+249954	+26.49	+94.04
1981	822859	713011	1535870	+342342	+28.68	+149.70
1991	1058786	904460	1963246	+427376	+27.83	+219.18
2001	591307	525750	1117057	+241305	+27.55	+81.61
2011	704031	631520	1335551	+218494	+19.56	+117.63

नोट :– 2001 से पूर्व की जनसंख्या में करौली जिला भी सवाई माधोपुर में सम्मिलित था।

P: ISSN NO.: 2321-290X RNI : UPBIL/2013/55327 VOL-5* ISSUE-7* March- 2018
E: ISSN NO.: 2349-980X **Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika**

ग्राफ संख्या–1

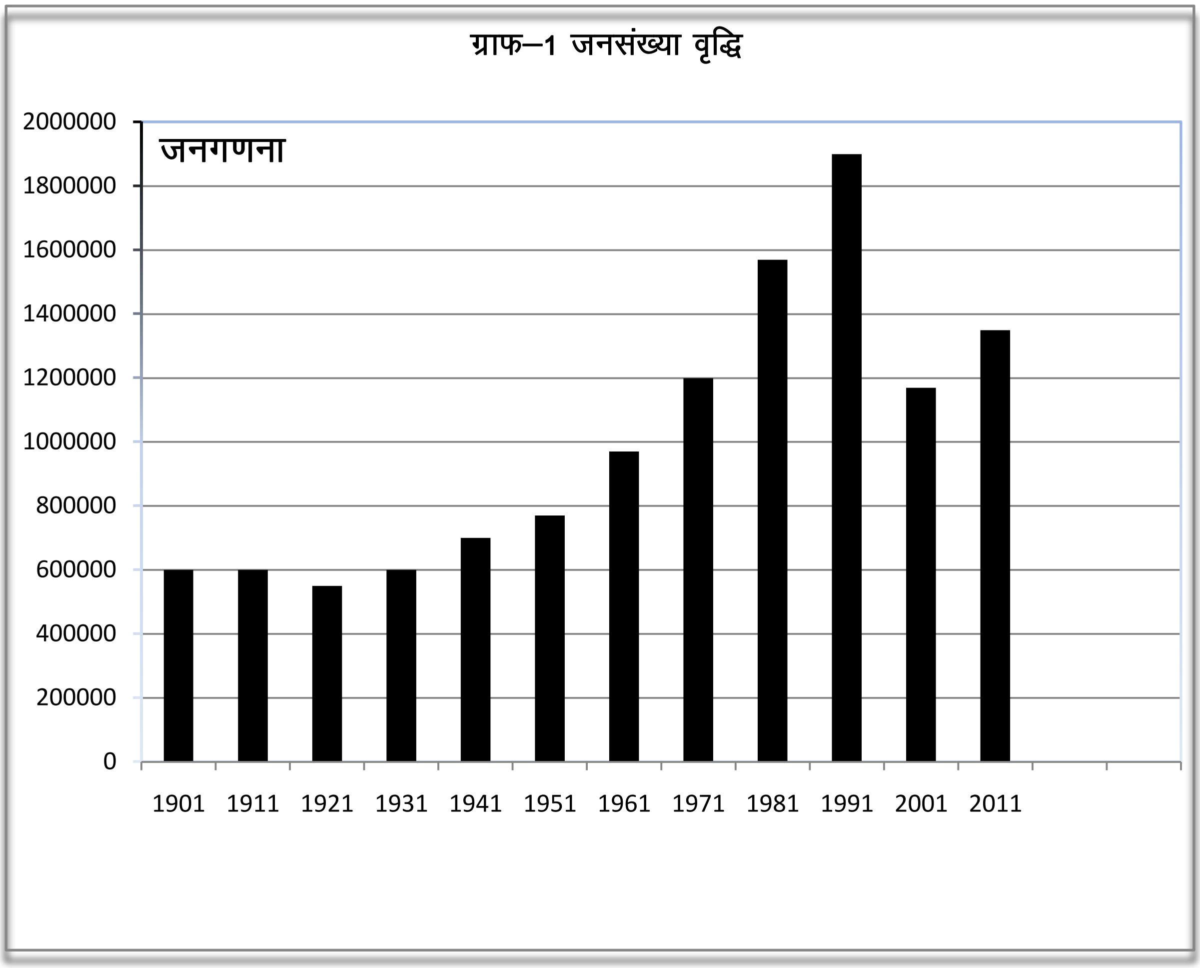

जनसंख्या वितरण

जनसंख्या वितरण में किसी स्थान की आर्थिक, सामाजिक व सांस्कृतिक कारकों का महत्वपूर्ण योगदान है। जनसंख्या वितरण प्रतिरूप वस्तुतः भौगोलिक और सांस्कृतिक दोनों ही कारकों की अन्तःक्रिया का परिणाम है। सवाई माधोपुर जिले में जनसंख्या वितरण को भौगोलिक तथा सामाजिक तत्व अत्यधिक प्रभावित करते है। सवाई माधोपुर जिले की जनसंख्या 2011 की जनगणना के अनुसार 13,35,551 है। जिले में गंगापुर तहसील में सर्वाधिक जनसंख्या निवास करती है। इसका कारण इस तहसील का दिल्ली–मुम्बई रेल मार्ग से जुडाव व शैक्षणिक गतिविधियों का होना रहा है। चोथ का बरवाडा तहसील में न्यूनतम जनसंख्या निवास करती है।

सारणी–2

जिले की जनसंख्या का स्थानिक वितरण (2011)

क्र० सं०	जिला/तहसील	जनसंख्या		
		पुरूष	स्त्री	योग
	सवाई माधोपुर जिला	704031	631520	1335551
1	गंगापुर तह.	184102	162512	346614
2	बामनवास तह.	91628	80020	171648
3	मलारना डूंगर तह.	55413	50319	105732
4	बौंली तह.	74961	67780	142741
5	चौथ का बरवाडा तह.	50627	46873	97500
6	सवाई माधोपुर तह.	174728	160149	334877
7	खण्डार तह.	72572	63867	136439

लिंगानुपात

लिंगानुपात से तात्पर्य किसी जनसंख्या में सभी आयु वर्गो के कुल स्त्रीयों व पुरूषों का अनुपात है। यह किसी क्षेत्र में सामाजिक व आर्थिक दशाओं का सूचक होता है। इसलिए लिंगानुपात का अध्ययन आवश्यक है। लिंग संरचना को सामान्यतः लिंगानुपात में व्यक्त किया जाता है। भारत में लिंगानुपात पुरूषों पर प्रति हजार महिलाओं की संख्या में व्यक्त किया जाता है। सवाई माधोपुर जिले में पुरूषों की तुलना में महिलाओं की संख्या

काफी कम है। यहां प्रति हजार पुरूषों पर 897 महिला है। जो राजस्थान के लिंगानुपात 928 से कम है। जिले में नगरीय क्षेत्र का लिंगानुपात ग्रामीण क्षेत्र से अधिक है। जिले की 7 तहसीलों के स्त्री पुरूष अनुपात (सारणी–3) से ज्ञात होता है कि 2011 में चौथ का बरवाड़ा तहसील का लिंगानुपात 926 जो सर्वाधिक है। बामनवास तहसील का लिंगानुपात सर्वाधिक कम 873 है।

सारणी–3 : जिले में लिंगानुपात (2011)

क्र०सं०	जिला/तहसील	लिंगानुपात
	सवाई माधोपुर जिला	897
1	गंगापुर तह.	883
2	बामनवास तह.	873
3	मलारना डूंगर तह.	908
4	बौंली तह.	904
5	चौथ का बरवाडा तह.	926
6	सवाई माधोपुर तह.	917
7	खण्डार तह.	880

सारणी–4, जिले में स्त्री–पुरूष अनुपात प्रति हजार (1901–2011)

जनगणना वर्ष	लिंगानुपात	दशकीय अन्तर
1901	870	–
1911	869	–0.11
1921	859	–1.15
1931	873	+1.62
1941	884	+1.24
1951	879	–0.56
1961	870	–1.02
1971	864	–0.69
1981	867	+0.34
1991	854	–1.49
2001	889	+4.05
2011	897	+0.90

जनसंख्या घनत्व

जनसंख्या घनत्व जनसंख्या प्रति का क्षेत्रफल या ईकाई आयतन का माप होता है। प्राकृतिक संसाधन सीमित है जबकि जनसंख्या तीव्र गति से बढ़ती जा रही है ऐसे में जनसंख्या घनत्व ज्ञात होना आवश्यक है। जिससे प्राकृतिक संसाधनों पर जनसंख्या दबाब ज्ञात हो सकें। ओर भविष्य के विकास की संभावनाओं का पता लगाया जा सकें। सवाई माधोपुर जिले का घनत्व 297 व्यक्ति प्रतिवर्ग किमी.(2011) जबकि राजस्थान का घनत्व 200 प्रतिवर्ग किमी. (2011)है। इस प्रकार राज्य की तुलना में 97 व्यक्ति अधिक है। जिले की जनसंया का स्थानिक वितरण परिवहन सुविधाओं, औद्योगिक वृद्धि और रोजगार अवसरों द्वारा प्रभावित है। जिले में सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व गंगापुर तहसील में है।

सारणी–5 : जिले का जनसंख्या घनत्व (1961–2011)

क्र०सं०	1	2	3	4	5	6
जनगणना वर्ष	1961	1971	1981	1991	2001	2011
जनसंख्या घनत्व	89	113	146	186	248	297
दशकीय अन्तर	–	24	33	40	62	49

सारणी–6, जनसंख्या घनत्व (2011)

क्र०सं०	जिला/तहसील	घनत्व (व्यक्ति प्रति वर्ग किमी.)
	सवाई माधोपुर जिला	297
1	गंगापुर तह.	538
2	बामनवास तह.	235
3	मलारना डूंगर तह.	271
4	बौंली तह.	228
5	चौथ का बरवाडा तह.	86
6	सवाई माधोपुर तह.	299
7	खण्डार तह.	142

साक्षरता

साक्षरता से तात्पर्य उन व्यक्तियों से है जो किसी भी भाषा को लिख–पढ सकें। साक्षरता वह मापदण्ड है जो किसी क्षेत्र की जनसंख्या की गुणवत्ता को निर्धारित करता है। शैक्षणिक स्तर का सीधा संबंध जन्म–मृत्यु दर, प्रवास, विवाह तथा अन्य जनांकिकीय विशेषताओं से होता है। निरक्षरता आर्थिक कार्यक्रमों में बाधक होती है। जिले में 65.39 प्रतिशत (2011) साक्षरता है जो राज्य की औसत साक्षरता से कम है। जनगणना वर्ष 2011 में सर्वाधिक साक्षरता 71.23 प्रतिशत गंगापुर तहसील की है। इस तहसील में आस–पास की तहसीलों से भी छात्र–छात्रायें अध्ययन करने आते है। यह जिले में शैक्षणिक केन्द्र बना हुआ है। जिले में सबसे कम साक्षरता 58.98 प्रतिशत खंडार तहसील में है।

सारणी–7 : जिले की साक्षरता (2011)

क्र० सं०	जिला/तहसील	पुरूष साक्षरता	स्त्री साक्षरता	कुल साक्षरता
	सवाई माधोपुर जिला	81.51	47.51	65.39
1	गंगापुर तह.	85.72	54.90	71.23
2	बामनवास तह.	80.70	45.47	64.28
3	मलारना डूंगर तह.	78.79	41.04	60.76
4	बौंली तह.	76.77	39.84	59.16
5	चौथ का बरवाडा तह.	79.87	42.14	61.73
6	सवाई माधोपुर तह.	83.79	50.17	67.87
7	खण्डार तह.	74.23	41.62	58.94

कार्यशील जनसंख्या

किसी भी प्रदेश के मानव संसाधन को समझने के लिए उस प्रदेश की व्यवसायिक संरचना का ज्ञान होना आवश्यक है। किसी भी क्षेत्र विशेष के संसाधनों का उपयोग किस प्रकार, किस मात्रा में और किस उद्देश्य के लिए किया जा रहा है, इसकी जानकारी वहाँ की व्यवसायिक संरचना को देख स्पष्ट होती है। सारणी–8 को देखने से प्रतीत होता है कि जिले की कुल कार्यशील जनसंख्या में कृषि संलग्न जनसंख्या का प्रतिशत अधिक है। विगत दशकों में कृषि में संलग्न जनसंख्या का प्रतिशत धीरे–धीरे कम हुआ है। जिसका प्रमुख कारण उचित आय का प्राप्त ना होना है। जिस कारण यहाँ के

निवासी द्वितीयक व तृतीयक व्यवसायों की ओर उन्मुख हो रहे है। इस जिले में घरेलू उद्योगों में लगे लोगों का प्रतिशत भी कम है।

सारणी–8 : जिले की कार्यशील जनसंख्या (2011)

क्र० सं०	जिला / तहसील	मुख्य श्रमिक	सीमान्त श्रमिक	कुल श्रमिक (मुख्य+सीमान्त श्रमिक)	गैर श्रमिक
	सवाई माधोपुर जिला	31.34	11.94	43.28	56.72
1	गंगापुर तह.	26.54	12.29	38.83	61.17
2	बामनवास तह.	33.72	12.84	46.56	53.44
3	मलारना डूंगर तह.	27.06	16.05	43.12	56.88
4	बौंली तह.	35.49	12.00	47.49	52.51
5	चौथ का बरवाडा तह.	32.36	11.69	44.05	55.95
6	सवाई माधोपुर तह.	31.19	9.89	41.08	58.92
7	खण्डार तह.	39.15	11.92	51.07	48.93

ग्रामीण नगरीय जनसंख्या

जिले के नगरीय–ग्रामीण अनुपात को सारणी–9 में प्रस्तुत किया है। सारणी–9 के सिंहावलोकन से प्रतीत होता है कि नगरीय जनसंख्या ग्रामीण जनसंख्या की तुलना में काफी कम है। 7 तहसीलों के नगरीय–ग्रामीण अनुपात का विश्लेषण करने पर ज्ञात होता है, कि इनमें से 4 तहसीलें बामनवास, मलारना डूंगर, चौथ का बरवाडा, खंडार में नगरीय जनसंख्या का पूर्णतः अभाव है। 2011 की जनसंख्या के अनुसार जिले के कुल जनसंख्या का 80.05 प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण तथा 19.95 प्रतिशत जनसंख्या नगरीय जनसंख्या है।

सारणी–9 : जिले में तहसीलानुसार नगरीय–ग्रामीण जनसंख्या अनुपात (2011)

क्र०सं०	जिला / तहसील	जनसंख्या		नगरीय ग्रामीण जनसंख्या अनुपात
		नगरीय	ग्रामीण	
	सवाई माधोपुर जिला	266467	1069084	20:80
1	गंगापुर तह.	130061	216553	38:62
2	बामनवास तह.	–	171648	0:100
3	मलारना डूंगर तह.	–	105732	0:100
4	बौंली तह.	15300	127441	11:89
5	चौथ का बरवाडा तह.	–	97500	0:100
6	सवाई माधोपुर तह.	121106	213771	36:64
7	खण्डार तह.	–	138439	0:100

निष्कर्ष

यह शोध सुझाव देता है, कि मानव संसाधन का सर्वोत्तम प्रभावपूर्ण ढंग से उपयोग करने से पहले कल्याण सुविधाओं का विस्तार कर मानव संसाधन का विकास करना चाहिए। वांछित आर्थिक विकास के लिए नियोजित विकास की आवश्यकता है। जिले में सीमेन्ट फेक्ट्री व रेल्वे लोको के बंद हो जाने के कारण होने वाली क्षति अकेले औद्योगिक विकास द्वारा प्राप्त नहीं किया जा सकता। वृहद् उद्योग जिले में लगाकर क्षति को कम करने का प्रयास किया जाना चाहिए साथ ही कृषि आधारित लघु–कुटीर उद्योगों को बढावा दिया जाना चाहिए। अधिकांश ग्रामीण जनसंख्या कृषि पर निर्भर है। अतः सिचाँई सुविधाओं के विकास की आवश्यकता है। भविष्य के सभी विकास ना केवल वर्तमान जनसंख्या बल्कि आगे के वर्षो की जनसंख्या को ध्यान में रखकर किये जाने चाहिए।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. *Chandna, R.C. (2005) : Population Gegography (Hindi) Kalyani Publishers, New Delhi, p - 32*
2. *Census of Sawai Madhopur : 1981-2011, pp - 4-100*
3. *Population Facts & Figures Rajasthan, pp - 51-88*
4. *मौर्य, साहबद्दीन (2005) : जनसंख्या भूगोल, शारदा पुस्तक भवन, इलाहबाद, p- 217*
5. *जिला सांख्यिकीय रूपरेखा 2015, Page - 4-30*
6. *Hassan, (2009) : Population Geography, pp - 200-208*
7. *Sharma, (2012) : Population and society, p- 110*
8. *कोशिक, (2005) : संसाधन भूगोल, रस्तोगी पब्लिकेशन्स, मेरठ, pp. 173-175*